एम. ए. (पूर्वार्द्ध)
सेमेस्टर द्वितीय
प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल
Course Code- M2 HIN 01 CT01

इकाई - I

आधुनिकता का अर्थ एवं स्वरूप, 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण, नया आर्थिक ढाँचा : नये सम्बन्ध

भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

द्विवेदी युग- प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ, द्विवेदी युगीन गद्य की प्रवृत्तियां।

इकाई - II

छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता- प्रमुख कवि, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई - III

हिन्दी कथा साहित्य- विकास-यात्रा : प्रेमचन्द पूर्व, प्रेमचन्द युगीन, प्रेमचन्दोत्तर, स्वातंत्र्योत्तर और समकालीन।

इकाई - IV

हिन्दी नाटक - विकास यात्रा : पूर्व प्रसाद युगीन नाटक, प्रसाद युगीन नाटक, प्रसादोत्तर नाटक स्वातंत्र्योत्तर और समकालीन,

हिन्दी आलोचना की विकास यात्रा ।

इकाई - V

हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ- विकास यात्रा : निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज।

उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

हिन्दी साहित्य के इतिहास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान।

सहायक ग्रंथ

1. इकबाल अहमद : दक्खिनी हिन्दी का आलोचनात्मक इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. एहतेशाम हुसैन : उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. गोपीचंद नारंग : उर्दू पर खुलता दरीचा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोयडा
5. नन्दकिशोर नवल : हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
9. बच्चन सिंह : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. मैनेजर पाण्डेय : साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशान, , नई दिल्ली
11. रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिन्दी साहित्य: स्वरूप एवं संवेदना, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. रामविलास शर्मा : परम्परा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. लक्ष्मीलाल वैरागी : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास, संघी प्रकाशन, जयपुर
15. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिन्दी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
16. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

एम. ए. (पूर्वार्द्ध)
सेमेस्टर द्वितीय
द्वितीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
Course Code- M2 HIN 02 CT02

इकाई I

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त

प्लेटो - अनुकरण सिद्धान्त,

अरस्तु - अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त

लोंजाइनस- उदात्त तत्त्व

इकाई - II

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त

क्रोचे - अभिव्यंजनावाद

आई.ए.रिचर्डस - काव्यभाषा सिद्धान्त, मूल्य सिद्धान्त,

वर्ड्सवर्थ - काव्य भाषा सिद्धान्त,

इकाई - III

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त

कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त,

टी.एस. इलियट - निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ सहसम्बंध, परम्परा की अवधारणा

मैथ्यू अर्नाल्ड -

इकाई – IV

आधुनिक समीक्षा के प्रमुख रूप -

शास्त्रीय, स्वच्छन्दतावादी, प्रगतिवादी, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन

नयी समीक्षा, मनोवैज्ञानिक, शैली विज्ञान।

इकाई - V

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ -

संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, विखंडनवाद, आधुनिकतावाद, उत्तरआधुनिकतावाद

विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स),

विखण्डन (डीकन्स्ट्रक्शन)

सहायक ग्रंथ

1. करुणाशंकर उपाध्याय : पाश्चात्य काव्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. कृष्णदेव शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. गणपतिचन्द्र गुप्त : साहित्यिक निबन्ध, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. तारकनाथ बाली : पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, शब्दकार प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. देवेन्द्रनाथ शर्मा : पाश्चात्य काव्य शास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा
6. नगेंद्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
7. निर्मला जैन : पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भगीरथ मिश्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. बच्चन सिंह : हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. रामअवध द्विवेदी : साहित्य सिद्धांत, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
11. वैंकट शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रादेशिक चिंतन, अलंकार प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. सत्यदेव मिश्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

एम. ए. (उत्तरार्द्ध)
सेमेस्टर द्वितीय
तृतीय प्रश्न पत्र : रीतिकालीन हिंदी काव्य
Course Code- M2 HIN 03 CT03

पाठ्य पुस्तकें :

1. बिहारी: 'बिहारी रत्नाकर' : (प्रथम 50 दोहे ही पढ़ाए जाएंगे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. केशव : 'रामचंद्रिका', (लक्ष्मण - परशुराम संवाद), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. भूषण ग्रंथावली : सं. विश्वनाथ मिश्र – (पद सं. 408, 411, 412, 420, 421, 428, 429, 430, 436, 437, 442 से 445, 448,455,463,475,480,494), वाणी-वितान प्रकाशन, वाराणसी
4. घनानन्द - 'आनन्दघन' (प्रथम 25 पद पढ़ाए जाएंगे), सं. रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई – I

'बिहारी रत्नाकर' से चयनित दोहों की व्याख्या एवं बिहारी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - II

'रामचंद्रिका' से चयनित अंश की व्याख्या एवं केशव संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - III

'भूषण ग्रंथावली' से चयनित पदों की व्याख्या एवं भूषण संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - IV

'आनंदघन' से चयनित पदों की व्याख्या एवं घनानन्द संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - V

रीतिकालीन हिन्दी कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियां।

सहायक ग्रंथ

1. भागीरथ मिश्र : हिन्दी रीति साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नगेन्द्र : रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. ओमप्रकाश (संपादक), बिहारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : बिहारी की वाग्विभूति,
6. कृष्णशंकर शुक्ल काशी : साहित्य-ग्रंथमाला-कार्यालय : विक्रेता, साहित्य-सेवक-कार्यालय, वाराणसी
7. बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. नन्द किशोर नवल : रीति काव्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

एम. ए. (पूर्वार्द्ध)
सेमेस्टर द्वितीय
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक हिंदी काव्य
Course Code- M2 HIN 04 CT04

पाठ्य पुस्तकें :

1. 'साकेत' नवम् सर्ग : मैथिलीशरण गुप्त, वितरक- के.एल. मलिक एंड संस प्रा. लि. नयी दिल्ली
2. 'कामायनी' (श्रद्धा सर्ग) : जयशंकर प्रसाद : वितरक- नेशनल पेपर बैक्स, नयी दिल्ली
3. 'राम की शक्ति पूजा' : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', पुस्तक - 'राग विराग' सं. रामविलास शर्मा, विद्यार्थी संस्करण लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. 'आयाम': सं. विश्वनाथ गौड़ एवं ललित शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई - I

'साकेत के नवम सर्ग' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - II

'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - III

'राम की शक्ति पूजा' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - IV

'आयाम' में संकलित नागार्जुन, शमशेर, केदारनाथ अग्रवाल, शिवमंगल सिंह सुमन, शील, नलिन विलोचन शर्मा एवं मुक्तिबोध की कविताओं से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - V

आधुनिक हिन्दी कविता का परिचय एवं प्रवृत्तियां : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, हालावाद, राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा।

सहायक ग्रंथ

1. दूधनाथ सिंह : निराला : आत्महंता आस्था, लोक भारती, इलाहाबाद
2. नंदकिशोर नवल : निराला और मुक्तिबोध चार लम्बी कविताएँ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नंदकिशोर नवल : कामायनी परिशीलन, अनुपम प्रकाशन, अशोक राजपथ, पटना
4. नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. नगेन्द्र : साकेत : एक अध्ययन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. नवीन नंदवाना (संपादक) : आधुनिक कविता : धार एवं धरातल, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
7. नामवर सिंह : कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. नामवर सिंह : छायावाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. बच्चन सिंह : निराला का काव्य, आधार प्रकाशन, पंचकूला
10. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधाना, भाग - 2, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. लीलाधर मण्डलोई : कविता के सौ बरस, शिल्पायन, दिल्ली
12. विनोद शाही : जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला

एम. ए. (उत्तरार्द्ध)
सेमेस्टर द्वितीय
पंचम प्रश्न पत्र : हिंदी उपन्यास
Course Code- M2 HIN/05/CT/05

पाठ्य पुस्तकें:

1. 'गोदान' : प्रेमचन्द, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली
2. 'शेखर एक जीवनी' भाग-1: अज्ञेय , मयूर पेपर बैक्स, नोएडा
3. 'मैला आँचल' : फणीश्वर नाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. 'ज्यों मेहंदी को रंग' : मृदुला सिन्हा : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई - I

'गोदान' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - II

'शेखर एक जीवनी' (भाग - 1) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - III

'मैला आँचल' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - IV

'ज्यों मेहंदी को रंग' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - V

हिन्दी उपन्यास - अर्थ, स्वरूप, तत्त्व, प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास, प्रेमचन्द युगीन हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास, समकालीन उपन्यास।

सहायक ग्रंथ

1. आनन्द प्रकाश : हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. गोपाल राय : हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. चन्द्रकान्त बांदिवडेकर : उपन्यास: स्थिति और गति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नामवर सिंह : दूसरी परम्परा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. नामवर सिंह : कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नेमिचन्द्र जैन : अधूरे साक्षात्कार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भोलाभाई पटेल : अज्ञेय: एक अध्ययन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. मधुरेश : हिन्दी कहानी: अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
9. राजेन्द्र यादव : उपन्यास: स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. राजेन्द्र यादव : अठारह उपन्यास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. रामकमल राय : शेखर एक जीवनी : विविध आयाम, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
12. विभूति नारायण राय : कथा साहित्य के सौ बरस, शिल्पायन, दिल्ली
13. सुरेन्द्र चौधरी : हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

एम. ए. (उत्तरार्द्ध)
सेमेस्टर द्वितीय
षष्ठ प्रश्न पत्र : हिन्दी नाटक एवं रंगमंच
Course Code- M2 HIN 06 CT06

पाठ्य पुस्तकें :

1. 'चन्द्रगुप्त' : जयशंकर प्रसाद,नेशनल पेपर बैक्स, नई दिल्ली
2. 'आधे अधूरे' : मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. 'माधवी' : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. 'पाँच पर्दे' : सं. मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई - I

'चन्द्रगुप्त' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - II

'आधे अधूरे' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - III

'माधवी' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - IV

'पांच पर्दे' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - V

नाटक और रंगमंच का अर्थ और स्वरूप, भारतीय नाट्य एवं रंग परंपरा, हिन्दी नाटक और रंगमच का उद्भव एवं विकास- भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर एवं स्वातंत्र्योत्तर युग, पारसी थिएटर, लोक नाट्य, एकांकी और एकांकी का विकास

सहायक ग्रंथ

1. अजित पुष्कल : नाटक के सौ बरस, शिल्पायन, नई दिल्ली
2. गिरीश रस्तोगी : हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. गिरीश रस्तोगी बीसवीं सदी में हिन्दी नाटक और रंगमंच, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. गिरीश रस्तोगी : मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. गोविन्द चातक : मोहन राकेश : आधुनिक नाटक का अग्रदूत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा : प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. नन्दकिशोर नवल : बीसवीं शती : हिन्दी की कालजयी कृतियाँ, रेनबो पब्लिशर्स, नोएडा
8. नवीन नंदवाना (सं) : समकालीन हिंदी नाटक : समय और संवेदना, अमन प्रकाशन, कानपुर
9. नीतू परिहार (सं) : हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच, हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर
10. नेमिचन्द्र जैन : रंग दर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. बच्चन सिंह : हिन्दी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12. बच्चन सिंह : हिन्दी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
13. राजेश्वर सक्सेना : भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. शशि प्रभा अत्री : बीसवीं शताब्दी का हिंदी रंगमंच, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

एम. ए. (उत्तरार्द्ध)
सेमेस्टर द्वितीय
सप्तम प्रश्न पत्र : रचनात्मक लेखन
Course Code- M2 HIN 07 AU01

इकाई -I

रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ

जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य,

बाल लेखन-प्रौढ़ लेखन, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि।

इकाई -II

रचनात्मक लेखन : आधार और विश्लेषण

अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि।

भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक

भाषिक संदर्भ : क्षेत्राय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष।

रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएँ

इकाई -III

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

कथा साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

इकाई – IV

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

विविध गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोतार्ज आदि

बालसाहित्य की आधारभूत संरचना

इकाई – V

सूचना-तंत्र के लिए लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्त, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

सहायक ग्रन्थ :

1. रघुवंश : साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम

3. रमेश गौतम (संपा.) : रचनात्मक लेखन

4. अर्न्स्ट पिशर (अनु. रमेश उपाध्याय) : कला की जरूरत

5. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : साहित्य का सौंदर्यचिंतन

7. कुमार विमल : कविता-रचना-प्रक्रिया

8. मलयज : कविता से साक्षात्कार

9. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : कविता क्या है

10. राजेश जोशी : एक कवि की नोटबुक